अर्हम्

साउथ कलकत्ता श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा

दिनांक 28.08.11

शांत - संतुलित जीवन की वैज्ञानिक प्रक्रिया है - सामायिक

- साध्वीश्री कनकश्रीजी

आचार्यश्री महाश्रमण जी की प्रबुद्ध शिष्या साध्वीश्री कनकश्रीजी के प्रेरक सान्निध्य में पर्युषण प्रवचनमाला के तीसरे दिन का कार्यक्रम साउथ कलकत्ता तेरापंथी सभा के तत्त्वावधान में आयोजित हुआ। प्रारंभ में महिला मंडल ने मंगल संगान किया। सामायिक दिवस पर 'समता के झूले में झूलें' - विषय पर अत्यंत महत्त्वपूर्ण उद्‌बोधन प्रदान करते हुए साध्वीश्री कनकश्रीजी ने कहा - जितने भी ज्ञानी महापुरुष हुए हैं उनके प्रवचन का आधार है - शांति। समता के बिना शांति उपलब्ध नहीं होती। समता एक एंटी पॉइजन रसायन है, जिससे गहरा विष भी अप्रभावी बन जाता है। सामायिक साधना शांत संतुलित जीवन की वैज्ञानिक प्रक्रिया है। सामायिक में संकल्प पूर्वक समता की साधना की जाती है।

उपस्थित विशाल जनमेदिनी को प्रतिबोध देते हुए साध्वीश्री ने कहा समता अमृत है और विषमता जहर। सामायिक साधना से विषमता का क्रोध, मान, माया, लोभ आदि का जहर अमृत में बदल जाता है। सामायिक मानसिक शांति और तनाव मुक्ति का अचूक उपाय है। मन की एकाग्रता के लिए स्वाध्याय और ध्यान का आलम्बन लें। साध्वीश्री ने कहा - आज व्यक्ति भ्रान्त बहुत जल्दी हो जाता है, स्वाध्याय से आस्था पुष्ट होती है। आज भौतिकवाद हावी होता जा रहा है, सामायिक आध्यात्मिक उत्क्रांति है। यह दीर्घ जीवी बनने की प्रक्रिया है क्योंकि तनाव अकाल मृत्यु का कारण है। निरंतर समता की साधना करने वाला दीर्घजीवी, दिव्यजीवी, शत्रुंजयी, मृत्युंजयी, मनोजयी और आत्मजयी बनता है। साध्वीश्रीजी ने प्राथमिक प्रवचन में तेरापंथ की मर्यादाओं का विस्तार से विवेचन किया। साध्वीवृंद ने प्रस्तुत विषय पर भाव पूर्ण गीत प्रस्तुत किया।

साध्वी मधुलताजी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा - तप, त्याग, संयम की साधना से व्यक्ति स्वयं तो पवित्र होता ही है किन्तु उसकी तरंगों से पूरा वातावरण पवित्र बन जाता है। घर - परिवार में एक व्यक्ति भी धर्म साधना करता है तो वहां की निषेधात्मक ऊर्जा विधेयात्मक बन जाती है। श्रीमती विनीता दूगड़ ने आज के विषय पर अपने विचारों की अभिव्यक्ति दी। साउथ सभा के अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र दूगड़ एवं सुरेन्द्र बोरड ने सभा द्वारा प्रकाशित बुलेटिन 'अमृतम्' का प्रथम अंक साध्वीश्रीजी को भेंट किया। अमृत पुरुष वर्धापन यात्रा के संयोजक अमरचंद दूगड़ ने यात्रा के संदर्भ में जानकारी दी। साउथ सभा के मंत्री विनोद बैद ने साध्वीश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए अग्रिम कार्यक्रमों की जानकारी दी। आज के कार्यक्रम में साउथ कलकत्ता तेरापंथ भवन के विशाल तीनों तल श्रद्धालुओं से खचाखच भरे हुए थे।